

&gt;

Title: Regarding higher education in Union Territory of Ladakh.

**श्रीजामयांगत्सेरिंगनामग्याल (लद्दाख) :** अध्यक्षमहोदय, आपका धन्यवाद । मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूँ कि यूनियन टेरिटोरी ऑफ लद्दाख की उच्चतर शिक्षा की व्यवस्था 50,000 स्टूडेंट्स बाहर के शहरों में पढ़ने के लिए जाती है । इसकी वजह से financial burden, cultural degradation, as well as mental stress होता है ।... (व्यवधान) इन सबको देखते हुए इसी मोदी सरकार ने लद्दाख में यूनिवर्सिटी ज़ घोषित की है । दो डिग्री कालेज घोषित किए गए हैं और एक डीम्ड यूनिवर्सिटी की घोषणा हुई है । इसके साथ ही साथ मेडिकल कालेज भी घोषित किए गए हैं । मैं इन सबके लिए उनको धन्यवाद देता हूँ । अभी जम्मू-कश्मीर से लद्दाख के अलग होने के बाद लद्दाख में जो अस्टाईल अंडररूसा के तहत यूनिवर्सिटी घोषित हुई है, उसको सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी बनाया जाए ।

दूसरा, लद्दाख में जो डिग्री कालेज मौजूद हैं, उनमें जम्मू-कश्मीर सरकार ने हमें जो विषय नहीं दिए थे, उन सभी विषयों को इंटीग्रेट किया जाए, ताकि हमारे बच्चों को कालेज एजुकेशन के लिए बाहर न जाना पड़े । मैं जल्दी-जल्दी बोल रहा हूँ । तीसरा, जो मेडिकल कालेज अनाउंस हुआ है, उसका इन्फ्रास्ट्रक्चर बनने में थोड़ा टाईम लगेगा, लेकिन तब तक वहाँ के मौजूदा जिला अस्पतालों में मेडिकल की क्लासें चलाई जाएं । चौथा, जिस सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ बुद्धिस्ट स्टडीज़ को डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा दिया गया है, मैं उसके लिए सरकार को धन्यवाद देता हूँ कि वीसी की पोस्ट को भी क्रिएट किया गया है, जिसके लिए हमने रिक्वेस्ट की थी । अब उस सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ बुद्धिस्ट स्टडीज़ को यूजीसी के अंतर्गत लाया गया है और यूजीसी के जो बेनिफिट्स हैं, वे वहाँ के अध्यापकों और छात्रों को मिल रहे हैं । इसी तरह से लद्दाख की उच्च शिक्षा व्यवस्था बहुत अच्छे तरीके से चल सके, मैं ऐसा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करता हूँ ।

**16.00 hrs**